



Daksh



Kriyika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121060101

| | | |
|------------------|-----------------------|------------------|
| पुल्लिंग : | लिंग | : स्त्रीलिंग |
| 08/09/1998 : | जन्म तिथि | : 08/02/1998 |
| मंगलवार : | दिन | : रविवार |
| घंटे 13:34:00 : | जन्म समय | : 17:00:00 घंटे |
| घटी 18:46:33 : | जन्म समय(घटी) | : 24:45:09 घटी |
| India : | देश | : India |
| Gurgaon : | स्थान | : Delhi |
| 28:27:00 उत्तर : | अक्षांश | : 28:39:00 उत्तर |
| 77:01:00 पूर्व : | रेखांश | : 77:13:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व : | मध्य रेखांश | : 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:21:56 : | स्थानिक संस्कार | : -00:21:08 घंटे |
| घंटे 00:00:00 : | ग्रीष्म संस्कार | : 00:00:00 घंटे |
| 06:03:22 : | सूर्योदय | : 07:05:24 |
| 18:35:32 : | सूर्यास्त | : 18:05:33 |
| 23:50:11 : | चित्रपक्षीय अयनांश | : 23:49:46 |
| वृश्चिक : | लग्न | : कर्क |
| मंगल : | लग्न लग्नाधिपति | : चन्द्र |
| मीन : | राशि | : मिथुन |
| गुरु : | राशि-स्वामी | : बुध |
| रेवती : | नक्षत्र | : पुनर्वसु |
| बुध : | नक्षत्र स्वामी | : गुरु |
| 1 : | चरण | : 1 |
| गण्ड : | योग | : प्रीति |
| वणिज : | करण | : कौलव |
| दे-देवांशु : | जन्म नामाक्षर | : के-केसरी |
| कन्या : | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | : कुम्भ |
| विप्र : | वर्ण | : शूद्र |
| जलचर : | वश्य | : मानव |
| गज : | योनि | : मार्जार |
| देव : | गण | : देव |
| अन्त्य : | नाड़ी | : आद्य |
| सर्प : | वर्ग | : मार्जार |

भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र

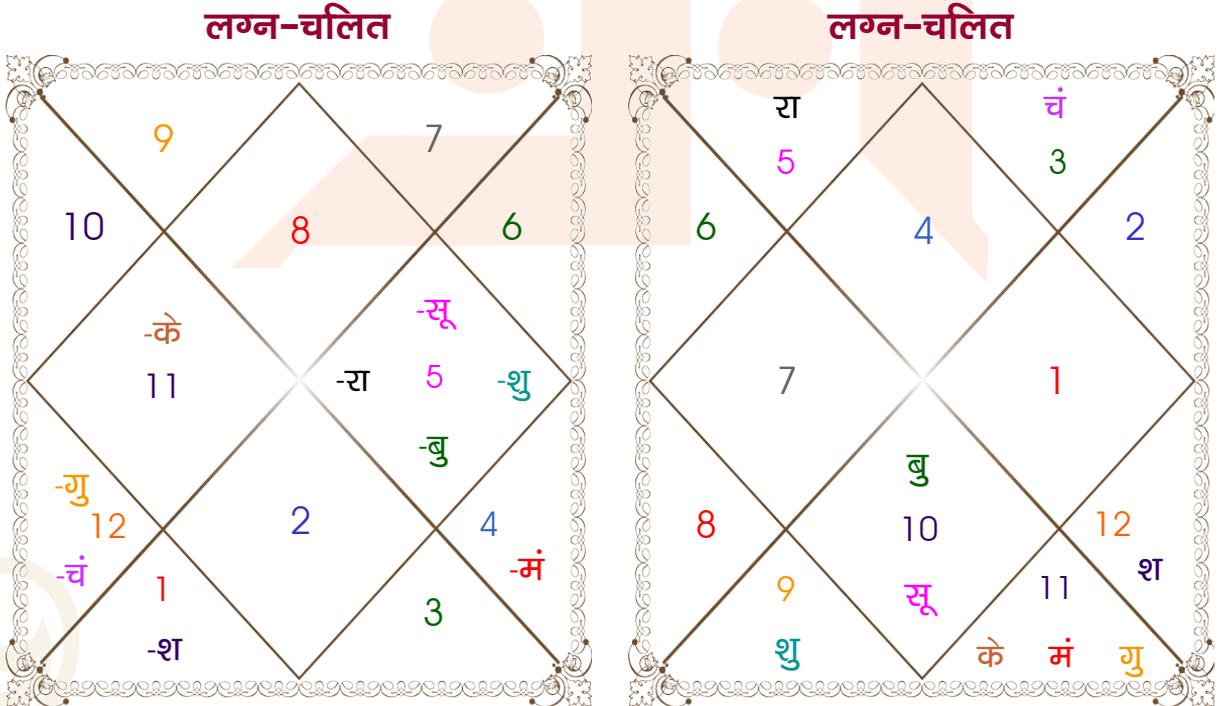
पं गोकुल चंद शर्मा
मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|--------------------|----------|--------|--------|--------|----------|-----------------------|
| बुध 16वर्ष 0मा 0दि | 28:35:45 | वृश्चि | लग्न | कर्क | 12:31:20 | शुक्र 14वर्ष 0मा 23दि |
| शुक्र | 21:38:27 | सिंह | सूर्य | मक | 25:40:10 | शनि |
| 08/09/2021 | 17:27:01 | मीन | चंद्र | मिथु | 21:36:49 | 03/03/2012 |
| 08/09/2041 | 17:59:52 | कर्क | मंगल | कुंभ | 17:15:56 | 04/03/2031 |
| शुक्र 08/01/2025 | 06:35:14 | सिंह | बुध | मक | 15:32:58 | शनि 07/03/2015 |
| सूर्य 08/01/2026 | 00:14:55 | मीन व | गुरु | कुंभ | 07:07:40 | बुध 14/11/2017 |
| चन्द्र 09/09/2027 | 08:03:06 | सिंह | शुक्र | धनु | 24:46:16 | केतु 24/12/2018 |
| मंगल 08/11/2028 | 09:18:52 | मेष व | शनि | मीन | 22:13:55 | शुक्र 22/02/2022 |
| राहु 08/11/2031 | 07:37:21 | सिंह व | राहु व | सिंह | 16:48:31 | सूर्य 04/02/2023 |
| गुरु 09/07/2034 | 07:37:21 | कुंभ व | केतु व | कुंभ | 16:48:31 | चन्द्र 05/09/2024 |
| शनि 08/09/2037 | 15:36:58 | मक व | हर्ष | मक | 15:29:42 | मंगल 14/10/2025 |
| बुध 09/07/2040 | 05:50:22 | मक व | नेप | मक | 06:33:16 | राहु 20/08/2028 |
| केतु 08/09/2041 | 11:36:27 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 13:57:39 | गुरु 04/03/2031 |

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:11 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:46



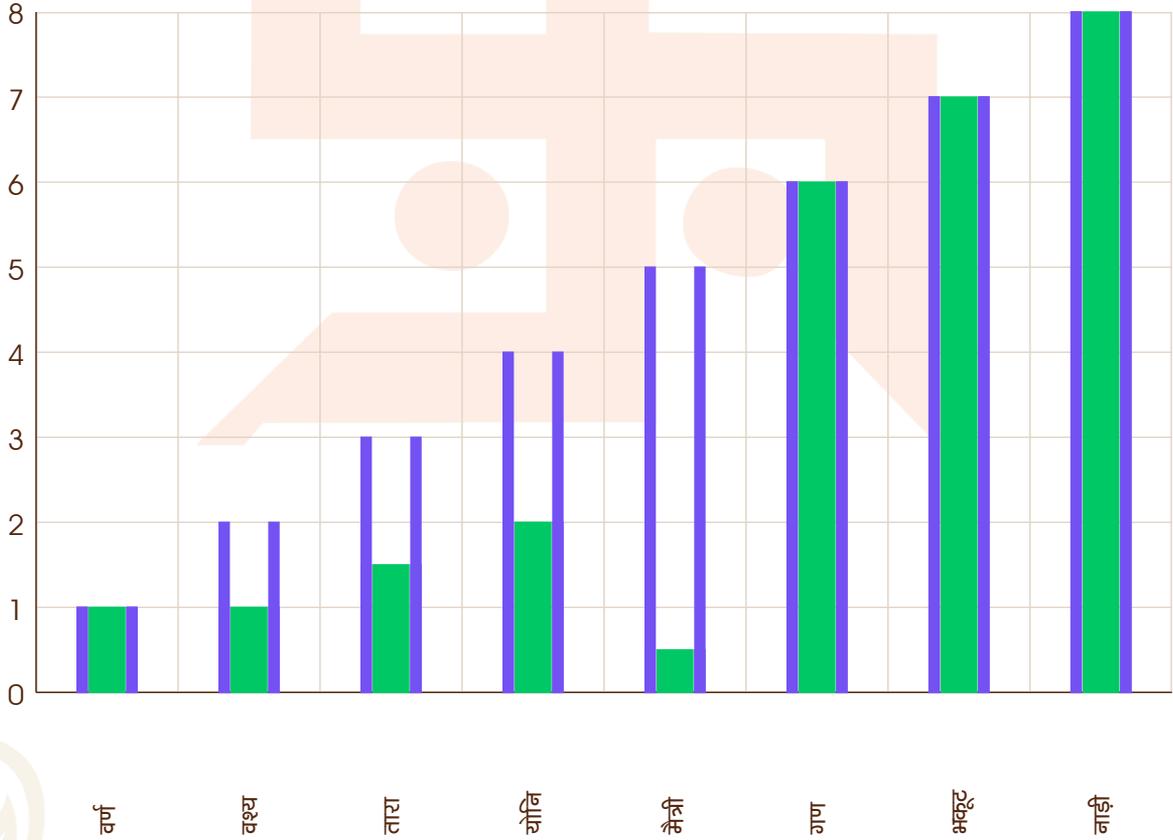
भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र

पं गोकुल चंद शर्मा
मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|--------------|--------|---------|-----------|--------------|-----|-----------------|
| वर्ण | विप्र | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | जलचर | मानव | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | विपत | मित्र | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | गज | मार्जार | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | बुध | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | देव | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मीन | मिथुन | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 27.00 | | |

कुल : 27 / 36



भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र

पं गोकुल चंद शर्मा
मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

अष्टकूट मिलान

Daksh का वर्ग सर्प है तथा Kriyika का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Daksh और Kriyika का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Daksh मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।
Kriyika मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ॥**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Kriyika कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Kriyika कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ॥**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Daksh कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Daksh तथा Kriyika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र

पं गोकुल चंद्र शर्मा
मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Daksh का वर्ण ब्राह्मण तथा Kriyika का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Kriyika सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेगी। Kriyika एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेगी।

वश्य

Daksh का वश्य जलचर है एवं Kriyika का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Kriyika अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Daksh उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Daksh की तारा विपत तथा Kriyika की तारा मित्र है। Daksh की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Daksh एवं Daksh के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Kriyika हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Kriyika को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Daksh की योनि गज है तथा Kriyika की योनि मार्जार है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र

पं गोकुल चंद शर्मा

मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Daksh का राशि स्वामी Kriyika के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Kriyika का राशि स्वामी Daksh के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Daksh का गण देव तथा Kriyika का गण भी देव है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Daksh से Kriyika की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Kriyika से Daksh की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Daksh परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Kriyika घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र

पं गोकुल चंद्र शर्मा

मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

नाड़ी

Daksh की नाड़ी अन्त्य है तथा Kriyika की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Daksh की अन्त्य नाड़ी तथा Kriyika की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।



भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र

पं गोकुल चंद शर्मा
मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

मेलापक फलित

स्वभाव

Daksh की जन्मराशि जलतत्व युक्त मीन तथा Kriyika की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है। जल तथा वायुतत्व में नैसर्गिक विषमता के कारण इनमें स्वभावगत विषमता होगी जिससे सम्बंधों में मधुरता की न्यूनता रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

Daksh की जन्मराशि का स्वामी बृहस्पति तथा Kriyika की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम एवं शत्रु है अतः इसके प्रभाव से Daksh और Kriyika के संबंधों में तनाव रहेगा तथा परस्पर मतभेद एवं विरोध एवं का भाव भी यदा कदा परिलक्षित होगा। वे एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे वैमनस्य एवं आलोचनात्मक भावों में वृद्धि होगी फलतः दाम्पत्य जीवन में सुखद क्षणों की कमी रहेगी तथा अधिकतर समय विवाद में ही व्यतीत होगा।

Daksh और Kriyika की राशियां परस्पर चतुर्थ तथा दशम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग एवं आकर्षण का भाव उत्पन्न होगा जिससे संबंधों में मधुरता के भाव में वृद्धि होगी तथा दाम्पत्य जीवन सुख शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही एक दूसरे का सुख सुविधा का ध्यान रखने के लिए दोनों तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सुखों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे।

Daksh का वश्य जलचर तथा Kriyika का वश्य मानव है। जलचर तथा मानव में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरुचियों में भिन्नता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता का भाव होगा साथ ही कामसंबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट रखने में असमर्थ होंगे जिससे परस्पर कलह तथा तनाव का भाव होगा।

Daksh का वर्ण ब्राह्मण तथा Kriyika का वर्ण शूद्र है। अतः Daksh की प्रवृत्ति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य करने में रहेगी जबकि Kriyika की प्रवृत्ति किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से करने की होगी फलतः कार्य क्षेत्र में अनुकूलता रहेगी।

धन

Daksh और Kriyika दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र

पं गोकुल चंद शर्मा

मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा

9312257830

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Daksh का जन्म अन्त्य तथा Kriyika का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव Daksh को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से Daksh हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए Daksh को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोक्त अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति के दृष्टि से Daksh एवं Kriyika का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपि Kriyika का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रति Kriyika के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतः Kriyika को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससे Kriyika सामान्य रूप से सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। Daksh और Kriyika बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Daksh और Kriyika का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Kriyika के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबंध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबंधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Kriyika अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामंजस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी

भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र

पं गोकुल चंद शर्मा

मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृत्ति के कारण देवर एवं नन्दों से भी संबंध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Kriyika पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Kriyika अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबंधों में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Daksh के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Daksh अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Daksh के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Daksh के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।